दार्जिलिंग में नि:शुल्क कैंसर स्क्रीनिंग शिविर कल

कैंसर का प्रारंभिक अवस्था में इलाज संभव है : डॉ. पंकज चौधरी

सिलीगुड़ी (निज संवाददाता)। सिर व गला, गर्भाशय और स्तन कैंसर की अगर प्रारंभिक अवस्था में ही पहचान हो जाए, तो उससे पीड़ित 80 प्रतिशत मरीज ठीक हो जाते हैं। ऐसा दावा मेडिका कैंसर अस्पताल के जाने-माने कैंसर विशेषज्ञ डॉ. पंकज चौधरी एवं डॉ. सौरभ सेन ने किया। वे आज यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि नियमित कैंसर स्क्रीनिंग रोग की जल्दी पहचान और उपचार में बेहद मददगार साबित हो सकती है।

मेडिका कैंसर अस्पताल, उत्तर बंगाल में कैंसर की पहचान और उपचार के लिए समर्पित एकमात्र हेल्थकेयर संस्थान है। उत्तर बंगाल और आस-पास के क्षेत्रों में इस कमी को दूर करने के लिए हम समुदाय आधारित कैंसर स्क्रीनिंग शिविरों की शुरुआत करने जा रहे हैं। 7 नवम्बर को पहला नि:शुल्क शिविर दार्जिलिंग में आयोजित होगा।

रंगापानी में अत्याधुनिक हेल्थकेयर सुविधाओं से युक्त, मेडिका कैंसर अस्पताल (पूर्व में इसे नॉर्थ बंगाल ऑंकोलॉजी सेंटर) में कैंसर की पहचान और इलाज के लिए जरुरी सर्जिकल ऑंकोलॉजी, रेडिएशन ऑंकोलॉजी, मेडिकल ऑंकोलॉजी के साथ-साथ प्रशामक उपचार (पैलीएटिव केयर) जैसी अत्याधुनिक सुविधायें उपलब्ध हैं।

सीटी स्कैन और अल्ट्रासोनोग्राफी सरीखी इमेजिंग सुविधाओं सहित ये तमाम सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं।

अस्पताल के प्रबंधन की बागडोर, कोलकाता के प्रतिष्ठित अस्पताल समूह, मेडिका हॉस्पिटल्स के हाथों में है।

मेडिका कैंसर अस्पताल का उद्देश्य, कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रमों और नि:शुल्क कैंसर पहचान शिविरों के जरिये, क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचना है, ताकि रोग की जल्द से जल्द पहचान कर उन्हें कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के चंगुल से मुक्त कराया जा सके। सिलीगुड़ी और आसपास रहने वाले कैंसर संभावित अथवा पीड़ित मरीजों को अस्पताल लाने-ले-जाने के लिए अस्पताल एंबुलेंस सुविधा प्रदान करेगा, ताकि तत्काल उनका इलाज शुरु किया जा सके।

मेडिका कैंसर अस्पताल, कैंसर मरीजों को कम कीमत में बेहतरीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ऐसा डॉ. सलील दत्ता ने बताया। इसके अलावा पत्रकार सम्मेलन में डॉ. सोमा बसु भी मौजूद थीं।

वाममोर्चा सरकार की ग

तिस्ता परियोजना का काम द

सिलीगुड़ी (निज संवाददाता)। सिंचाई के साथ-साथ पर्यटन विकास की दिशा में भी काम किया जा रहा है। इसी कारण गाजलडोबा में जो पर्यटन हब प्रस्तावित है, उसके प्रथम चरण में ढ़ांचागत विकास के रूप में सिंचाई विभाग द्वारा 16 करोड़ रूपये खर्च कर काम किया जायेगा। यह होने से उत्तर बंगाल की तस्वीर बदल जायेगी।

आज स्थानीय तीनबत्ती में तिस्ता परियोजना की नये रूप से निर्मित भवन का उद्घाटन करते हुए यह बात राज्य के सिंचाई मंत्री राजीव

नवनिर्मित भवन का उद घाटन करते सि